UGC No. 48831

शब्द–ब्रह्म E ISSN 2320 – 0871

भारतीय भाषाओं की अंतर्राष्ट्रीय मासिक शोध पत्रिका 17 जनवरी 2018

पीअर रीव्यूड रेफ्रीड रिसर्च जर्नल

16

उच्च माध्यमिक स्तर की छात्राओं में आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति जागरूकता का अध्ययन

सारिका शर्मा (शोधार्थी)

डॉ.सरोज राय (निर्देशक)

जैन विश्व भारती, लाडनूं

राजस्थान, भारत

शोध संक्षेप

वर्तमान में बालिकाएं और महिलाएं असुरक्षा का अनुभव करती हैं पितृ सत्तात्मक परिवार होने से स्त्री हमेशा से पालित और रक्षित के श्रेणी में बनी रही। समाज के सारे प्रयास महिला को सुरक्षित करने के रहे हैं। परिणामस्वरूप उसे अनेक प्रकार के बंधनों को स्वीकार करने पर विवश किया गया। महिला ने भी उन बंधनों को स्वीकार कर लिया। यद्यपि आज समय के साथ वे बंधन ढीले हुए हैं परन्तु अदृश्य बंधन आज भी मौजूद हैं इन दिनों विद्यालयीन शिक्षा में बालिकाओं को 'स्वरक्षा' अथवा आत्मरक्षा के प्रशिक्षण को शामिल किया जा रहा है। प्रस्तुत शोध पत्र में उच्च माध्यमिक स्तर की छात्रों में आत्मरक्षा प्रशिक्षण के प्रति जागरूकता का अध्ययन किया गया है।

प्रस्तावना

शिक्षा का महत्वपूर्ण कार्य एक ऐसे ज्ञान का विकास करना है, जिसका व्यावहारिक पक्ष हमारी राष्ट्रीय प्रेरणाओं पर आधारित हो। जिससे हमारे शैक्षिक प्रयास एवं विचारधारायें पुनर्जीवित हो सकें। अतः ऐसा प्रयास करना चाहिए जिससे शैक्षिक प्रणाली मानव और पदार्थ को उत्पादन कार्य में तल्लीन कर सकें और जिससे कार्यकर्ता ऐसे ज्ञान का विकास कर सकें, जो शिक्षा को सार्थक एवं यथार्थ बना सकें।

"कैसे देख सकती हूँ हर औरत को अपराधियों के आगे घुटने टेकते हुए बढ़ाना होगा आत्मरक्षा का सशक्त कदम, अपराधियों के हौसले पस्त करते हुए' भारत में बलात्कार, यौन उत्पीड़न, छेड़खानी, महिलाओं के प्रति हिंसा आदि सामान्य तौर पर घटित होने वाली घटनाएँ बन गई है। ये घटनाएँ सामाजिक लांछन या बदले के डर से पूरी तरह सामने नहीं आ पाती हैं और जो घटनाएं सामने आती हैं वे हमें समाज की वो भयावह तस्वीर दिखाती है, जो हमारी कल्पनाओं से परे है। बालिकाओं के साथ बलात्कार और उसके बात हत्या करने के अनेक मामले इन दिनों प्रकाश में आ रहे हैं। इन घटनाओं के मद्देनजर बालिकाओं और महिलाओं को सुरक्षित करने के उपायों के अलावा उन्हें आत्मरक्षा के साधन और तकनीक से लेस करना अनिवार्य प्रतीत होने लगा है।

समस्या का औचित्य

जागरूकता हर प्रशिक्षण की नींव होती है। अपनी समस्या को जानना, कारणों को खोजना व जागरूक होकर उपायों को तलाश करना समाधान की दिशा में सशक्त कदम होता है। महिला को अपनी आत्मरक्षा के प्रति स्वयं सजग होकर खुद को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है। यह एक ऐसा कदम हैं जो उन्हें

Scanned by CamScanner